व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि - वर्मी-कम्पोस्ट

द्वारा

शिव शक्ति-स्वयं सहायता समूह

एसएचजी/सीआईजी नाम	:	Shiv Shakti
वीएफडीएस नाम	:	Mandholi
श्रेणी	:	इंदौरा
विभाजन	:	नूरपुर डिविजन

के अंतर्गत तैयार किया गया:

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए परियोजना

(जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्र. सं. नहीं।	विवरण	पेज/एस
1	पृष्ठभूमि	3
2	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	4
3	लाभार्थियों का विवरण	5-6
4	गांव का भौगोलिक विवरण	6
5	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	6
6	उत्पादन प्रक्रियाएं	7
7	उत्पादन योजना	7
8	बिक्री एवं विपणन	8
9	स्वोट अनालिसिस	8
10	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	9
11	अर्थशास्त्र का वर्णन	10-13
12	आर्थिक विश्लेषण का अनुमान	14
13	निधि की आवश्यकता	14
14	निधि के स्रोत	14
15	बैंक ऋण चुकौती	15
16	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	15
17	निगरानी विधि	15
18	समूह सदस्य तस्वीरें	16-17

पृष्ठभूमि

सरल उत्पादन तकनीकों, इससे जुड़े पारिस्थितिक, आर्थिक और मानव स्वास्थ्य लाभों के कारण वर्मीकम्पोस्टिंग देश में मजबूत पकड़ बना रहा है। सरकारी सहायता के तहत/गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के तकनीकी मार्गदर्शन के साथ, विशेष रूप से देश के दक्षिणी और मध्य भागों में, उद्यमियों द्वारा बड़ी संख्या में वर्मी कंपोस्टिंग इकाइयाँ स्थापित की गई हैं।

वर्मीकम्पोस्टिंग के प्रत्यक्ष पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ हैं क्योंकि यह टिकाऊ कृषि उत्पादन और किसानों की आय में महत्वपूर्ण योगदान देता है। ऐसे कई गैर सरकारी संगठन, समुदाय आधारित संगठन (सीबीओ), स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), ट्रस्ट आदि हैं जो इसके स्थापित आर्थिक और पर्यावरणीय लाभों के कारण वर्मिन कंपोस्टिंग तकनीक को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं।

कृमि खाद

केंचुओं के पालन/उपयोग के माध्यम से खाद का उत्पादन वर्मिन कम्पोस्टिंग तकनीक कहा जाता है। इस तकनीक के तहत, केंचुए बायोमास खाते हैं और इसे पचाए हुए रूप में उत्सर्जित करते हैं जिसे वर्मीकम्पोस्टिंग या वर्मिन कम्पोस्ट के रूप में जाना जाता है। यह छोटे और बड़े दोनों प्रकार के किसानों के लिए खाद के उत्पादन के सबसे सरल और लागत प्रभावी तरीकों में से एक है। वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन इकाई किसी भी ऐसी भूमि पर स्थापित की जा सकती है जो किसी आर्थिक उपयोग में न हो लेकिन छायादार एवं जल जमाव से मुक्त हो। यह स्थल जल संसाधन के नजदीक भी होना चाहिए

वर्मीकम्पोस्टिंग, जिसे सही मायनों में "कचरे से सोना" कहा जाता है, जैविक कृषि उत्पादन में प्रमुख इनपुट है। सरल तकनीक के कारण, कई किसान वर्मी कंपोस्ट उत्पादन में लगे हुए हैं क्योंकि यह मिट्टी के स्वास्थ्य को मजबूत करता है; मिट्टी की उत्पादकता से खेती की लागत कम हो जाती है।

उच्च स्तर के पोषक तत्वों के कारण वर्मी कम्पोस्ट की मांग में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है।

1. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

एसएचजी/सीआईजी नाम	::	Shiv Shakti
वीएफडीएस	::	Mandholi
श्रेणी	::	रे
विभाजन	::	नूरपुर डिविजन
गाँव	::	Shiv Shakti

अवरोध पैदा करना	**::**	**मंगवाल**
ज़िला	**::**	**कांगड़ा**

एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	12
गठन की तिथि	::	13-12-2023
बैंक खाता नं.	::	50075480929
बैंक विवरण	::	**कांगड़ा सेंट्रल सहकारी बैंक**
एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	**50 रु**
कुल बचत		
कुल अंतर-ऋण		1%
नकद ऋण सीमा		-
चुकौती स्थिति		-

2. लाभार्थियों का विवरण:

क्रमांक	उम्मीदवार का नाम	पद का नाम	आयु	वर्ग	संपर्क नंबर।
1	Arti Devi W/O Kulwinder Singh	अध्यक्ष	49	जनरल	98165-64780
2	Santosh Kumari W/O Purshottam Singh	स्राव का	37	जनरल	62306-71235
3	Anju Bala W/O Kartar Singh	कोषाध्यक्ष	52	जनरल	82193-58046
4	Parveen Kumari W/O makkhan Singh	सदस्य	37	जनरल	78074-48964
5	आशा देवी पत्नी सुरिंदर सिंह	सदस्य	42	जनरल	98057-17256
6	Rachna Devi W/O Harnam Singh	सदस्य	45	जनरल	86279-95072
7	कंचन देवी पत्नी कुलदीप सिंह	सदस्य	46	जनरल	82787-07631
8	Usha Devi W/O Gurdev Singh	सदस्य	50	जनरल	88948-74266
9	Champa Devi W/O Kewal Singh	सदस्य	40	जनरल	88941-70635
10	Neelam Devi W/O Tilak Raj	सदस्य	50	जनरल	94640-49478
11	Shrishta Devi W/O Subhash Singh	सदस्य	55	जनरल	82788-02832

12	Babita Devi W/O Rohit Kumar	सदस्य	28	जनरल	98176-12560

3. गांव का भौगोलिक विवरण

3.1	**जिला मुख्यालय से दूरी**	::	**125 कि.मी**
3.2	**मुख्य सड़क से दूरी**	::	**500मी**
3.3	**स्थानीय बाज़ार का नाम और दूरी**	::	Indora- 10 Km **और स्थानीय वन विभाग**
3.4	**मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी**		Indora- 10 Km **और स्थानीय वन विभाग**
3.5	**मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी**		Indora- 10 Km **और स्थानीय वन विभाग**
3.6	**मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा**	::	Indora- 10 Km **और स्थानीय वन विभाग**

4. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

4.1	**उत्पाद का नाम**	::	**कृमि खाद**
4.2	**तरीका का वस्तु की पहचान करना**	::	**यह गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से तय की गई है।**
4.3	**एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति**	::	**हाँ**

5. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

कदम		विवरण
स्टेप 1	: :	प्रसंस्करण में कचरे का संग्रह, कतरन, धातु, कांच और चीनी मिट्टी की चीज़ें का यांत्रिक पृथक्करण और जैविक कचरे का भंडारण शामिल है।
चरण दो	: :	गोबर के घोल के साथ सामग्री का ढेर लगाकर बीस दिनों तक जैविक अपशिष्ट का पूर्व पाचन। यह प्रक्रिया सामग्री को आंशिक रूप से पचाती है और केंचुए के उपभोग के लिए उपयुक्त होती है। मवेशियों का गोबर और बायोगैस घोल सूखने के बाद उपयोग किया जा सकता है। गीले गोबर का प्रयोग नहीं करना चाहिए

कदम		विवरण
		वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन के लिए।
चरण-3	::	केंचुआ बिस्तर की तैयारी. वर्मी-कम्पोस्ट तैयार करने के लिए कचरे को डालने के लिए एक ठोस आधार की आवश्यकता होती है। ढीली मिट्टी कीड़ों को मिट्टी में जाने देगी और पानी देते समय भी; सभी घुलनशील पोषक तत्व पानी के साथ मिट्टी में चले जाते हैं।
चरण 4	::	वर्मी-कम्पोस्ट संग्रहण के बाद केंचुए का संग्रहण। पूरी तरह से तैयार की गई सामग्री को अलग करने के लिए खाद सामग्री को छानना। आंशिक रूप से तैयार की गई सामग्री को फिर से वर्मी-कम्पोस्ट बिस्तर में डाल दिया जाएगा।
चरण-5	::	नमी बनाए रखने और लाभकारी सूक्ष्मजीवों को बढ़ने देने के लिए वर्मी-कम्पोस्ट को उचित स्थान पर संग्रहित करना।

6. उत्पादन योजना का विवरण

6.1	उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	90 दिन (एक वर्ष में तीन चक्र)
6.2	श्रमशक्ति आवश्यक प्रति चक्र (सं.)	::	16
6.3	कच्चे माल का स्रोत	::	घर-परिवार और अपने खेतों से
6.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	मुक्त बाज़ार
6.5	कच्चा सामग्री - मात्रा प्रति सदस्य प्रति चक्र (किलो) आवश्यक है	::	प्रति चक्र 2800 किग्रा
6.6	अपेक्षित उत्पादन प्रति चक्र (किग्रा) प्रति सदस्य	::	प्रति चक्र 1400 किग्रा

7. विपणन/बिक्री का विवरण

7.1	संभावित बाज़ार स्थान	::	हिमाचल प्रदेश वन

7.2	**इकाई से दूरी**	::	**विभाग स्थानीय बाजार** **अपने खेत पर उपयोग करें**
7.3	**बाजार स्थानों में उत्पाद की मांग**	::	**एचओ वन विभाग अपनी नर्सरी के लिए भारी मात्रा में वर्मी-कम्पोस्ट खरीद रहा है**
7.4	**बाज़ार की पहचान की प्रक्रिया**	::	**पीएमयू इच्छा आसान करना बाँधना ऊपर खरीद का का कृमि-खाद**

			एचपी वन विभाग द्वारा एसएचजी द्वारा निर्मित।
7.5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति		एसएचजी सदस्य भविष्य में बेहतर बिक्री मूल्य के लिए अपने गांवों के आसपास अतिरिक्त विपणन विकल्प भी तलाशेंगे।
7.6	उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन संबंधित सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस आईजीए को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7.7	उत्पाद "नारा"		"शिव शक्ति प्रकृति अनुकूल"

8. स्वोट अनालिसिस

- **ताकत**
  - कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा पहले से ही गतिविधि की जा रही है
  - प्रत्येक एसएचजी सदस्य के पास प्रत्येक घर में 2 से 8 तक मवेशी हैं
  - एसएचजी सदस्यों के परिवार उच्च मूल्य वाली फसलों और सब्जियों की खेती कर रहे हैं जो साल भर कच्चे माल यानी कृषि जैविक अपशिष्टों की पर्याप्त उपलब्धता प्रदान करते हैं।
  - उनके खेतों में कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है
  - विनिर्माण प्रक्रिया सरल है
  - उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
  - लाभार्थियों को परिवार के अन्य सदस्य भी सहयोग करेंगे
  - उत्पाद का स्व-जीवन लंबा होता है
- **कमजोरी**
  - विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
  - तकनीकी जानकारी का अभाव

- **अवसर**
  - किसानों में जैविक एवं प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूकता के कारण वर्मी कम्पोस्ट की मांग बढ़ रही है
  - अपने स्वयं के खेत में वर्मी-कम्पोस्ट का उपयोग करने से मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार और वृद्धि होगी और गुणवत्तापूर्ण कृषि उपज का उत्पादन होगा जिससे बेहतर कीमत मिलेगी।
  - घरों में रसोई से निकलने वाले कचरे सहित जैविक कचरे का सर्वोत्तम उपयोग
  - एचपी फॉरेस्ट के साथ मार्केटिंग गठजोड़ की संभावना
- **धमकियाँ/जोखिम**
  - मौसम की मार से उत्पादन चक्र टूटने की संभावना
  - प्रतिस्पर्धी बाज़ार
  - प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण एवं कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों के बीच प्रतिबद्धता का स्तर

9. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

उत्पादन - कच्चे माल की खरीद सहित इसका ध्यान व्यक्तिगत सदस्यों द्वारा रखा जाएगा

- **गुणवत्ता आश्वासन** - समग्र रूप से
- **सफाई एवं पैकेजिंग**- समग्र रूप से
- **विपणन** - समग्र रूप से
- **इकाई की निगरानी** - समग्र रूप से

10. अर्थशास्त्र का वर्णन

(राशि वास्तविक रु. में)

एस I नहीं	विवरण	इकाइयों	अकर्मण्य टिटि / संख्या	लागत (रु.)	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5
एक I	**पूंजीगत लागत**								
ए.1	**पिट एवं शेड का निर्माण**								
1	निर्माण के साथ-साथ श्रम लागत भी शामिल है शेड (आकार 10ftX4ftX2ft होगा)	प्रति सदस्य	12	7000	84000	0	0	0	0
2	आयरन एंजल से कवर शेड का निर्माण	प्रति सदस्य	12	5000	60000				
	उप-योग (ए.1)				**144000**	**0**	**0**	**0**	**0**
.2	**यंत्रावली और उपकरण**								
3	औज़ार, उपकरण, तराजू आदि।	प्रति सदस्य	12	3000	36000	0	0	0	0
	उप-योग (ए.2)				**36000**	**0**	**0**	**0**	**0**
	कुल पूंजीगत लागत (ए.1+ए.2)				**180000**	**0**	**0**	**0**	**0**
बी	**आवर्ती लागत**								
4	बीज केंचुआ	प्रति किग्रा	12	550	6600	0	0	0	0

5	**घोल/गोबर/अपशिष्ट की खरीद की लागत**	**टन**	96	1000	96000	100800	105840	111132	116688
6	**श्रम लागत**	**प्रति टन**	48	800	38400	40320	42336	44452	46674
7	**पैकिंग सामग्री**	**नहीं।**	16000	3	48000	50400	52920	55566	58344
8	**अन्य हैंडलिंग शुल्क**	**प्रति टन**	48	165	7920	8316	8731	9167	9625
सी	**अन्य आरोप**								
9	**बीमा**	**एल/एस**			0	0	0	0	0
10	**ऋण पर ब्याज**	**एक साल के लिए**		**2 प्रति शत**	2000	2000	2000	2000	2000
	कुल आवर्ती लागत				**202220**	**211176**	**221734**	**232820**	**244461**
	कुल लागत - पूंजीगत और आवर्ती				**472220**	**211176**	**221734**	**232820**	**244461**
डी	**वर्मी कंपोस्टिंग से आय**								
11	**वर्मीकम्पोस्ट की बिक्री**	**टन**	48	**8000**	**384000**	**403200**	**423360**	**444528**	**466754**
12	**केंचुए की बिक्री**					**20000**	**40000**	**40000**	**40000**

13	**कुल मुनाफा**				**384000**	**423200**	**463360**	**484528**	**506754**
14	शुद्ध रिटर्न (डी-सी)				**182880**	**212024**	**241626**	**251700**	**262293**

टिप्पणी - चूंकि श्रम कार्य एसएचजी सदस्यों द्वारा स्वयं किया जाएगा और उनके स्थान पर पहले से ही स्लरी/गोबर/अपशिष्ट उपलब्ध है और इन सामग्रियों की खरीद उनके द्वारा नहीं की जाएगी, इसलिए, आवर्ती लागत (श्रम लागत, स्लरी/गोबर/अपशिष्ट की खरीद की लागत) कुल आवर्ती लागत से कटौती की जा सकती है।

आर्थिक विश्लेषण

विवरण	**वर्ष 1**	**वर्ष 2**	**वर्ष 3**	**वर्ष 4**	**वर्ष 5**	
पूंजीगत लागत	**180000**	**0**	**0**	**0**	**0**	
आवर्ती लागत	**202220**	**212331**	**222947**	**234094**	**245798**	
कुल लागत	441820	211176	221734	232820	244461	1352011
कुल लाभ	**384000**	**423200**	**463360**	**484528**	**506754**	**2261842**
शुद्ध लाभ	-57820	212024	241626	251708	262293	909831
लागत का शुद्ध वर्तमान मूल्य @15 प्रतिशत	**1352011**					
लाभ का शुद्ध वर्तमान मूल्य @15 प्रति प्रतिशत	**2261842**					
लाभ लागत अनुपात	**1.67**					

शुद्ध लाभ का वितरण - उत्पादन में हिस्सेदारी के अनुसार.

11. आर्थिक विश्लेषण के निष्कर्ष

- प्रत्येक सदस्य के लिए गड्ढे का आकार एक गड्ढे के लिए 10X4X2 फीट की योजना बनाई गई है।
- वर्मी-कम्पोस्ट के उत्पादन की लागत रु. 4.2 प्रति किग्रा
- वर्मी-कम्पोस्ट (रूढ़िवादी पक्ष) की बिक्री रु. 8 प्रति किलोग्राम
- शुद्ध लाभ रु. होगा. 3.8 प्रति किग्रा
- यह प्रस्तावित है कि प्रत्येक सदस्य हर साल 5.4 टन वर्मी-कम्पोस्ट का उत्पादन करेगा जिसके परिणामस्वरूप एक वर्ष में एसएचजी के सभी 16 सदस्यों द्वारा 80 टन वर्मी-कम्पोस्ट का उत्पादन किया जाएगा।

- केंचुए की कीमत 20 रुपये रखी गई है. 500.00 प्रति किग्रा
- दूसरे वर्ष के बाद, बिक्री के लिए अधिशेष मिट्टी का काम होगा (क्योंकि वर्मी-कम्पोस्ट के उत्पादन की प्रक्रिया के दौरान यह कई गुना बढ़ जाएगा)
- वर्मी-कम्पोस्ट बनाना एक लाभदायक आईजीए है और इसे एसएचजी सदस्यों द्वारा उठाया जा सकता है।

12. निधि की आवश्यकता:

क्र. सं. नहीं।	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना का समर्थन	स्वयं सहायता समूह योगदान
1	कुल पूंजीगत लागत	180000	135000	45000
2	कुल आवर्ती लागत	202220	0	202220
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	12000	12000	0
	कुल =	394220	147000	247220

टिप्पणी-

- **पूंजीगत लागत** - 7पूंजीगत लागत का 5% परियोजना के अंतर्गत कवर किया जाएगा
- **आवर्ती लागत** - एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाएगा।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन** - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

13. निधि के स्रोत:

परियोज सहायता; ना	• पूंजीगत लागत का 75% गड्ढे के निर्माण के लिए उपयोग किया जाएगा (आकार (10ftX4ftX2ft) होगा) • 1 लाख रुपये तक होगा पार्क किए गए में स्वयं सहायता समूह किनारा खाता। • प्रशिक्षण/क्षमता इमारत/ कौशल उन्नयन लागत।	गड्ढे/गड्ढे के निर्माण के लिए सामग्री की खरीद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा की जाएगी सभी संहिता संबंधी औपचारिकताओं का पालन करने के बाद।

स्वयं सहायता समूह योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें शेड/शेड के निर्माण की लागत शामिल है। • आवर्ती लागत एसएचजी द्वारा वहन की जाएगी	

14. बैंक ऋण चुकौती

यदि ऋण बैंक से लिया गया है, तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालाँकि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी का बकाया मूल ऋण वर्ष में एक बार बैंकों को पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

15. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

अगले हैं कुछ प्रशिक्षण/क्षमता इमारत/ कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक:

- परियोजना उन्मुखीकरण समूह गठन/पुनर्गठन
- समूह संकल्पना एवं प्रबंधन
- आईजीए का परिचय (सामान्य)
- विपणन और व्यवसाय योजना विकास

- बैंक क्रेडिट लिंकेज और उद्यम विकास
- एसएचजी/सीआईजी का एक्सपोजर विजिट - राज्य के भीतर और राज्य के बाहर

16. निगरानी तंत्र

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और अनुमान के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- **एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की भी समीक्षा करनी चाहिए और यदि आवश्यकता हो तो प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।**

ग्रुप फोटो;-

VFDS- Mandheli
Shiv Shakti (SHG)
IGA- Vermicomposting
Arti devi (Pradhan)
Santosh Kumari (Secretary)
AnJu Vala (Treasurer)
Praveen kumari (member)
Aasha devi (member)
Rachna devi (member)
Kanchan devi (member)
Usha devi (member)
Champa devi (member)
Srishti devi (member)
Neelam devi (member)
Babita devi (member)

Resolution cum Group Consensus Form

It is decided in the general house meeting of the group Shiv Shakti held on 01-02-2024 at Mandholi that our group will undertake the Vermi composting as livelihood income generation activity Under the project for implementation of Himachal Pradesh forest ecosystem Management and livelihood (JICA assisted).

आरती देवी
प्रधान

Parveen Kumari
सचिव

शिव शक्ति SHG
वार्ड नं 8 VFDS मंदौली
तह. चूरपुर जिला कांगड़ा

Signature of Group President

Signature of Group Secretary

Business Plan Approval by VFDS & DMU

Shiv Shakti Group will undertake the Vermicomposting as livelihood Income Generation Activity under the project for implementation of Himachal Pradesh forest ecosystem Management and livelihood (JICA assisted). In this regard business plan of amount Rs. 394220/- has been submitted by group on 01/02/2024 and the business plan has been approved by the VFDS Mandholi

Business plan is submitted through FTU for further action please.

Thank you

आरती देवी
प्रधान

Parveen Kumari
सचिव

शिव शक्ति SHG
वार्ड नं. 3 VFDS मंदोली
तह. नूरपुर जिला कांगड़ा

Signature of Group President

Signature of Group Secretary

President
V.F.D.S Mandholi
Up-Teh. Gangath (Nurpur)
Distt. Kangra -176022

Signature of President VFDS

DMU - cum - DFO
Nurpur Forest Division
Nurpur

Approved

DMU cum Nurpur

]